परिशिष्ट–A

पाठ्यक्रम संरचना
सत्र–2018–19
कक्षा–XI
विषय– समाजशास्त्र (N-166)

सैद्धांतिक–80
प्रायोजना–20

कुल अंक–100

क्र.	इकाई	पाठ्यवस्तु	आबंटित अंक	कालखण्ड
	(A) समाजशास्त्र परिचय			
1		समाजशास्त्र एवं समाज	08	20
2		समाजशास्त्र में प्रयुक्त शब्दावली,संकल्पनाएं एवं उनका उपयोग	08	20
3		सामाजिक संस्थाओं को समझना	10	22
4		संस्कृति एवम् समाजीकरण	08	18
5		समाजशास्त्र – अनुसंधान पद्धतियाँ	06	20
	(B) समाज का बोध			
6		समाज में सामाजिक संरचना, स्तरीकरण और सामाजिक प्रक्रियाएँ	10	22
7		ग्रामीण तथा नगरीय समाज में सामाजिक परिवर्तन तथा सामाजिक व्यवस्था	10	22
8		पर्यावरण और समाज	04	16
9		पाश्चात्य और समाज	08	20
10		भारतीय समाजशास्त्री	08	20
कुल योग–			80	200
प्रायोजना कार्य–			20	40
महा योग–			100	240

कक्षा – ग्यारहवीं
सत्र्–2018–19
विषय – समाज शास्त्र
विषय कोड – N- 166

(अ) – समाजशास्त्र परिचय

अध्याय 1 – समाजशास्त्र एवं समाज **अंक–08** **कालखण्ड– 20**

परिचय, समाजशास्त्रीय कल्पनाएँ : व्यक्तिगत समस्याएँ एवं जनहित के मुद्दें, समाजो में बहुलताएँ एवं असमानताएँ समाजशास्त्र का परिचय, समाजशास्त्र और सामान्य बौद्धिक ज्ञान, बौद्धिक विचार जिनकी समाजशास्त्र की रचना में भूमिका है, भौतिक मुद्दे जिनकी समाजशास्त्र की रचना में भूमिका है, हमें यूरोप में समाजशास्त्र के आरंभ और विकास को क्यों पढ़ना चाहिए? भारत में समाजशास्त्र का विकास, समाजशास्त्र का विषय क्षेत्र एवं अन्य सामाजिक विज्ञानों से इसके संबंध–समाजशास्त्र एवं अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र एवं राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र एवं इतिहास, समाजशास्त्र एवं मनोविज्ञान, समाजशास्त्र एवं सामाजिक मानव विज्ञान।

अध्याय 2 – समाजशास्त्र में प्रयुक्त शब्दावली, संकल्पनाएँ एवं उनका उपयोग

अंक–08 **कालखण्ड– 20**

परिचय, सामाजिक समूह एवं समाज, समूहों के प्रकार–प्राथमिक और द्वितीयक सामाजिक समूह, समुदाय एवं समाज अथवा संघ, अन्तः समूह एवं बाह्य समूह, संदर्भ समूह, समव्यस्क समूह, सामाजिक स्तरीकरण, जाति, वर्ग, प्रस्थिति और भूमिका, समाज व सामाजिक नियंत्रण।

अध्याय 3 – सामाजिक संस्थाओं को समझना **अंक–10** **कालखण्ड– 22**

परिचय, परिवार , विवाह और नातेदारी, परिवार के स्वरूपों में परिवर्तन, परिवार अन्य सामाजिक क्षेत्रों और पारिवारिक परिवर्तनों से संबंधित होते है, परिवार किस तरह लिंगवादी हैं ? विवाह संस्था, विवाह के रूप, विवाह निश्चित करना : नियम और निर्देश, अंतर्विवाह और बहिर्विवाह के नियम, कुछ बुनियादी संकल्पनाओं विशेषत : परिवार, नातेदारी और विवाह को परिभाषित करना, कार्य और आर्थिक जीवन, कार्य क्या है? कार्य के आधुनिक रूप और श्रम विभाजन, कार्य रूपान्तरण, राजनीति, राज्यविहीन समाज, राज्य की संकल्पना, धर्म, शिक्षा।

अध्याय 4 – संस्कृति तथा समाजीकरण **अंक–08** **कालखण्ड– 18**

परिचय, विविध परिवेश, विभिन्न संस्कृतियाँ, संस्कृति की परिभाषा, संस्कृति के आयाम, संस्कृति के संज्ञानात्मक पक्ष, संस्कृति के मानकीय पक्ष, संस्कृति के भौतिक पक्ष, संस्कृति तथा पहचान, नृजातिकेन्द्रवाद, सांस्कृतिक परिवर्तन, समाजीकरण, समाजीकरण के अभिकरण परिवार समकक्ष समूह, विद्यालय जन–माध्यम, अन्य समाजीकरण अभिकरण, समाजीकरण तथा व्यक्तिगत स्वतंत्रता।

अध्याय 5 – समाजशास्त्र–अनुसंधान पद्धतियाँ अंक–06 कालखण्ड– 20

परिचय, कुछ पद्धतिशास्त्रीय मुद्दे, समाजशास्त्र में वस्तुनिष्ठता तथा व्यक्तिपरकता, बहुविधि पद्धतियाँ तथा पद्धतियों का चयन, सहभागी प्रेक्षण (अवलोकन), सामाजिक मानवविज्ञान में क्षेत्रीय कार्य, समाजशास्त्र में क्षेत्रीय कार्य, सहभागी प्रेक्षण की कुछ सीमाएँ, सर्वेक्षण, साक्षात्कार।

(ब) – समाज का बोध

अध्याय 6 – समाज में सामाजिक संरचना, स्तरीकरण और सामाजिक प्रक्रियाएँ

अंक–10 कालखण्ड– 22

परिचय, सामाजिक संरचना तथा सामाजिक स्तरीकरण, समाजशास्त्र में सामाजिक प्रक्रियाओं को समझने के दो तरीके, सहयोग तथा श्रम विभाजन, प्रतिस्पर्धा – अवधारणा एवं व्यवहार के रूप में, संघर्ष तथा सहयोग, उपसंहार।

अध्याय 7 – ग्रामीण तथा नगरीय समाज में सामाजिक परिवर्तन तथा सामाजिक व्यव्यथा

अंक–10 कालखण्ड– 22

सामाजिक परिवर्तन, पर्यावरण, तकनीक तथा अर्थव्यवस्था, राजनीति संस्कृति, सामाजिक व्यवस्था, प्रभाव, सत्ता तथा कानून, विवाद (संघर्ष) अपराध तथा हिंसा, गॉव, कस्बों और नगरों में सामाजिक व्यवस्था तथा सामाजिक परिवर्तन, ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक व्यवस्था तथा सामाजिक परिवर्तन, नगरीय क्षेत्रों में सामाजिक व्यवस्था तथा सामाजिक परिवर्तन।

अध्याय 8 – पर्यावरण और समाज अंक–04 कालखण्ड–16

पर्यावरण की प्रमुख समस्याएँ और जोखिम–संसाधनों की क्षीणता (कमी), प्रदूषण, वैश्विक, तापमान वृद्धि (ग्लोबलवार्मिग), जैनेटिकली मोडिफाइड आर्गेनिजम्स, प्राकृतिक तथा मानव निर्मित–पर्यावरण विनाश, पर्यावरण की समस्याएँ सामाजिक समस्याएँ क्यों हैं ? वर्षा नहीं, सतत् विकास, विचार विमर्श, शहरी पर्यावरण–दो शहरों की कहानी।

अध्याय 9 – पाश्चात्य समाजशास्त्री – एक परिचय अंक–08 कालखण्ड– 20

समाजशास्त्र का संदर्भ, ज्ञानोदय, फ्रांसिसी क्रांति, औद्योगिक क्रांति, वर्ग संघर्ष, दुर्खाइम की समाजशास्त्रीय दृष्टि, समाज में श्रम विभाजन, मैक्स वैबर और व्याख्यात्मक समाजशास्त्र, नौकरशाही।

अध्याय 10 – भारतीय समाजशास्त्री अंक–08 कालखण्ड– 20

जाति तथा प्रजाति पर धूर्ये के विचार, परंपरा एवं परिवर्तन पर डी.पी. मुकर्जी के विचार, राज्य पर ए.आर. देसाई के विचार, एम.एन. श्रीनिवास के गॉव संबंधी विचार, उपसंहार।

प्रायोजना कार्य की मूल्यांकन योजना
कक्षा – ग्यारहवीं (XI)
विषय – समाज शास्त्र
Subject Code - (N–166)
प्रायोजना कार्य (Project Work)

मूल्यांकन योजना सत्र् 2018–19

समय : 02 घण्टे
(Time :Two Hours)

अधिकतम अंक : 20अंक
(Max. Marks 20)

स. क्र. S.No.	विषयवस्तु (Heading)	अंकभार Marks allotted
(A)	प्रायोजना (शालेय स्तर पर शैक्षणिक सत्र के दौरान किए जाने वाली)	
I	Statement of the Purpose (उद्देश्य कथन)	10
II	Methodology/ Techniqne (प्रक्रिया/तकनीक)	
III	Conclusion (निष्कर्ष)	
(B)	**Viva- based on the Project work** प्रोजेक्ट कार्य पर मौखिक	02
(C)	**<u>Research Design:</u> Steps of research (eg. Observation, interview, content analysis)to be explained to student and questions accordingly raised.** (अनुसंधान के चरणः–अवलोकन, साक्षात्कार,विषयवस्तु विश्लेषण)	
I	overall format (संपूर्ण प्रारूप की जानकारी)	01
II	Research Question / Hypothesis (अनुसंधान प्रश्न/परिकल्पना)	01
III	Choice of technique (तकनीक चयन)	02
VI	Detailed procedure for implementation of technique(तकनीक के क्रियान्वयन के लिए संपूर्ण प्रक्रिया)	02
V	Limitations of the above technique(उपरोक्त तकनीक की सीमाएं)	02
	योग	20